बच्चों को बाल अधिकार का लाभ मिले इसके लिए नीति जरूरी : डॉ जोसफ

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

रूरल मैनेजमेंट विभाग, एक्सआइएसएस और सेव द चिल्ड्रन ने गुरुवार को परिचर्चा आयोजित की. विषय था : बाल अधिकार - मानसिक स्वास्थ्य और सीखने की परेशानियों का निपटारा. एक्सआइएसएस के निदेशक डॉ जोसफ मरियानुस कुजूर एसजे ने कहा कि बाल अधिकार एक वयस्क को प्राप्त अधिकारों से अलग है. शहरी क्षेत्र की तुलना में ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को उनके अधिकार का लाभ नहीं मिल रहा. इसका उदाहरण कोरोना काल में ऑनलाइन शैक्षणिक व्यवस्था बनी, जहां शहरी क्षेत्र के बच्चों ने ऑनलाइन पाठ्यक्रम प्रक्रिया का लाभ उठाया. वहीं ग्रामीण इलाके के बच्चे नेटवर्क की समस्या के कारण इससे वंचित रहें. उन्हें सुविधाजनक गैजेट्स नहीं मिला. साथ ही लॉकडाउन से हुई पारिवारिक समस्या का भी बच्चों पर गहरा प्रभाव पड़ा है. कई बच्चे भावनात्मक रूप से कमजोर हुए, तो कई मानसिक तनाव का शिकार बनें. बच्चों तक उनका अधिकार पहुंचे, इसके लिए रिसर्च कर नीति आधारित कदम उठाने की जरूरत है. सेव द चिल्ड्रेन इंडिया के स्टेट प्रोग्राम मैनेजर महादेव हांसदा ने कहा कि कोविड-19 के बाद बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है. कमजोर वर्ग के बच्चों की सुरक्षा समाज की जिम्मेवारी है. जेएससीपीसीआर सदस्य उज्ज्वल प्रकाश तिवारी ने कहा कि बच्चों के साथ अभिभावकों को जागरूक करना होगा, तभी बच्चों तक बाल अधिकार पहुंच पायेगा. उन्होंने बच्चों को कम उम्र से ही प्रशिक्षण युक्त शिक्षा देने की मांग की. यूनिसेफ झारखंड की प्रमुख डॉ कनिनिका मित्रा ने बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक समर्थन के उपायों पर चर्चा की. मौके पर वरिष्ठ पत्रकार मधुकर, रूरल मैनेजमेंट के विभागाध्यक्ष डॉ अनत कुमार और डॉ संजय वर्मा मौजूद थे.

शेड निर्माण का शिलान्यास : एक्सआइएसएस में सांसद मद से स्वीकृत साइकिल-मोटरसाइकिल शेड निर्माण, फ्लोरिंग व सौंदर्यीकरण कार्य का शिलान्यास राज्यसभा सांसद डॉ महुआ माजी ने किया.

PRESS: PRABHAT KHABAR

ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों के पास आनलाइन सीखने के लिए गैजेट्स नहीं, समस्या

बच्चों के साथ एक्सआईएसएम रांची के प्रतिनिधि • जागरण

जासं, रांची : एक्सआईएसएस रांची और बाल रक्षा भारत द्वारा आयोजित बाल अधिकार मानसिक स्वास्थ्य और सीखने की कठिनाइयों से निपटने...विषय पर राउंडटेबल चर्चा की गई। जेवियर इंस्टीट्यूट आफ सोशल सर्विस रांची, ग्रामीण प्रबंधन कार्यक्रम और बाल रक्षा भारत जिसे विश्व स्तर पर सेव द चिल्ड्रन के नाम से जाना जाता है, ने कैंपस में चर्चा की। एक्सआईएसएस के निदेशक डा. जोसफ मारियानुस कुजूर एसजे ने स्वागत में कहा कि जब हम बाल अधिकारों के बारे में सोचते हैं, तो हमारे दिमाग में जो विचार आते हैं, वह एक व्यस्क और बच्चे के लिए सम्मान होते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों के पास आनलाइन सीखने की प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए गैजेट्स की पहुंच नहीं है जो उन्हें शिक्षा के अधिकार से वंचित करता है। हमें इन बच्चों की मानसिक, भावनात्मक और नैतिक सहायता करनी चाहिए। हमें तर्कसंगत पालिसी के लिए अपने हितधारकों के साथ रिसर्च और प्रशिक्षण में संलग्न होने की भी आवश्यकता है। मौके पर महादेव हांसदा, उज्ज्वल प्रकाश तिवारी, डा. अनंत कुमार, यूनिसेफ झारखंड की प्रमुख डा. कनिका मित्रा आदि ने भी संबोधित किया।

PRESS: DAINIK JAGRAN

Discussion on 'Child Rights with a special focus on Mental Health and coping with learning difficulties' organised at XISS

PNS : RANCHI

Xavier Institute of Social Service (XISS), Ranchi, its Rural Management Programme, and Bal Raksha Bharat, globally known as Save the Children organized a Roundtable discussion on "Child Rights with a special focus on Mental Health and coping with learning difficulties in its campus on Thursday.

Dr Joseph Marianus Kujur, Director XISS gave the welcome address and said, "When we think of child rights, what comes in our mind is rationale to human & child. Children in rural areas have no access to gadgets to facilitate the online learning process which deprives them of their right to education. We should help these children with mental, emotional, and moral support. We also need to engage in research and training with our stakeholders for policy advocacy. We should make it a campaign- Hum Andolan Layenge."

Mahadev Hansda, State Programme Manager, Save the children, stated the importance of this event and said, "Post COVID, the mental health of children has been adversely affected. It is the role and responsibility of various stakeholders to safeguard the vulnerable section of society- "A CHILD". This discussion of the round table will lead to a framework for policy advocacy which will be helpful for children."

Ujjwal Prakash Tiwary, Member, JSCPCR, highlighted that proper care and protection can help a child flourish in the changing world when support is provided to their family in terms of employment.

A panel discussion was held where Dr Anant Kumar, Head of Programme, Rural Management Programme, XISS highlighted the aspects of mental health and the situation of policies for a child in the State. Dr Kanika Mitra, Chief of UNICEF, Jharkhand talked about mental health and psychosocial support and also coping mechanisms with learning difficulties. The moderator of this discussion was Madhukar, a Senior Journalist.

Dr Mahua Maji lays foundation of beautification work at XISS

PNS : RANCHI

Xavier Institute of Social Service (XISS), organized the unveiling of a plaque dedicated to the construction of a bicycle and motorcycle shed, flooring work, a new gate, and beautification work in XISS in the presence of Dr Mahua Maji, Member of Rajya Sabha in the campus on Thursday. Dr Maji has sponsored the beautification work under the MP (LAD) Fund and laid the foundation for the construction work. She said, "XISS is one of the premier institutions of the State and has done commendable work in the development of the state. It is a matter of immense joy for me to be able to contribute to this institution."

XISS holds roundtable discussion on child rights, mental health and learning difficulties

by Lagatar News — 19/01/2023

Ranchi, Jan 19: The Xavier Institute of Social Service (XISS), Ranchi, and its Rural Management Programme in collaboration with Bal Raksha Bharat which is globally known as Save the Children organised a Roundtable discussion on the topic 'Child Rights with a special focus on Mental Health and coping with learning difficulties' at its premises on Thursday.

PRESS: LAGATAR 24

Notably, a panel discussion was held where Dr Anant Kumar, Head of Programme, Rural Management Programme, XISS highlighted the aspects of mental health and the situation of policies for a child in the State. Dr Kanika Mitra, Chief of UNICEF, Jharkhand talked about mental health and psychosocial support and also coping mechanisms with learning difficulties. The moderator of this discussion was senior journalist Madhukar.

Earlier, while welcoming the speakers Dr Joseph Marianus Kujur SJ, Director XISS said, "When we think of child rights, what comes in our mind is rationale to human & child. Children in rural areas have no access to gadgets to facilitate the online learning process which deprives them of their right to education. We should help these children with mental, emotional, and moral support. We also need to engage in research and training with our stakeholders for policy advocacy. We should make it a campaign – Hum Andolan Layenge."

PRESS: LAGATAR 24

बाल अधिकार व मानसिक स्वास्थ्य से निपटने के विशेष चर्चा

हमें इसे एक अभियान बनाना चाहिए : डॉ. जोसफ मारियानुस

नवीन मेल संवाददाता। रांची

सोशल सर्विस (एक्सआईएसएस), रांची, ग्रामीण प्रबंधन कार्यक्रम, और बाल रक्षा भारत, जिसे विश्व स्तर पर सेव द चिल्ड्रन के नाम से जाना जाता है, ने बाल अधिकार - मानसिक स्वास्थ्य और सीखने की कठिनाइयों से निपटने के विशेष परिदृश्य पर राउंडटेबल चर्चा गुरुवार को कैम्पस में की गयी। एक्सआईएसएस के निदेशक डॉ जोसफ मारियानुस कुंजूर एसजे ने स्वागत भाषण दिया और कहा, जब हम बाल अधिकारों के बारे में सोचते हैं, तो हमारे दिमाग में जो विचार आते हैं,वह एक व्यसक और बच्चे के लिए समान होते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों के पास ऑनलाइन सीखने की प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए गैजेट्स की पहुंच नहीं है जो उन्हें शिक्षा के अधिकार से वंचित करता है। हमें इन बच्चों की मानसिक, भावनात्मक और नैतिक सहायता करनी चाहिए। हमें तर्कसंगत पॉलिसी के लिए अपने हितधारकों के साथ रिसर्च और प्रशिक्षण में संलग्न होने की भी आवश्यकता है। हमें इसे एक अभियान बनाना चाहिए- हम आंदोलन लाएंगे। महादेव हांसदा, स्टेट प्रोग्राम मैनेजर, सेव द चिल्ड्रेन, इंडिया ने इस आयोजन के महत्व को बताया और कहा, कोविड के बाद बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। समाज के कमजोर वर्ग- एक बच्चे की सुरक्षा करना विभिन्न हितधारकों की भूमिका और जिम्मेदारी है। इस राउंडटेबलकी चर्चा से नीति समर्थन के लिए एक रूपरेखा तैयार होगी जो बच्चों के लिए मददगार होगी। श्री उज्ज्वल प्रकाश तिवारी, सदस्य, जेएससीपीसीआर ने इस बात पर प्रकाश डाला कि उचित देखभाल और सुरक्षा बदलती दुनिया में एक बच्चे को फलने-फूलने में मदद कर सकती है, जब रोजगार के मामले में उनके परिवार को सहायता प्रदान की जाती है।इस कार्यक्रम में एक पैनल चर्चा आयोजित की गई जहां डॉ अनंत कुमार, कार्यक्रम प्रमुख, ग्रामीण प्रबंधन कार्यक्रम, एक्सआईएसएस ने मानसिक स्वास्थ्य के पहलुओं और राज्य में एक बच्चे के लिए नीतियों की स्थिति पर प्रकाश डाला।

PRESS: RASTRIYA NAVEEN MAIL